

nt>

Title: Regarding shortage of water and electricity in Delhi.

श्री लाल बिहारी तिवारी (पूर्व दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के अंदर बिजली और पानी की समस्या से दिल्ली में झुग्गी झोंपड़ी में रहने वाले लोग, पुनर्वास बस्तियों में रहने वाले लोग, गरीब बस्तियों में रहने वाले लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। पूरी रात बिजली न आने के कारण उनको जागना पड़ता है। दिल्ली में कांग्रेस सरकार ने बिजली का प्राइवेटाइजेशन कर दिया है। हम प्राइवेटाइजेशन के खिलाफ नहीं हैं। मगर मैं आपको कहना चाहता हूँ कि टाटा और बी.एस.ई.एस. कम्पनी को बिजली का काम दिया गया है लेकिन वे इस काम को संभाल नहीं पा रहे हैं। अगर बिजली आफिस में टेलीफोन किया जाता है तो वहां से बिजली के सुधार के लिए कोई नहीं आता है। दिल्ली के अंदर बिजली की 51 प्रतिशत चोरी हो रही है जिसके कारण 1200 करोड़ रुपये का घाटा प्रतिवर्ष हो रहा है। इससे हमारा सकल घाटा 22 हजार करोड़ रुपये का हो गया है।

मैं आपको कहना चाहता हूँ कि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार है। ये लोग बिजली दो रुपये 50 पैसे लेकर उन कम्पनियों को एक रुपये 40 पैसे में बेच रहे हैं। जो सरकारी एजेंसियां हैं, उनको पांच से सात रुपये प्रति यूनिट तक देने की खुली छूट दी गई है। यही हाल पानी का है। पीने का पानी नहीं मिल रहा है। इस सरकार ने पीने के पानी की कोई योजना नहीं बनाई है। पानी की दिक्कत को दूर करने के लिए 140 एम.जी.डी. का ट्रीटमेंट प्लांट सोनिया विहार में बनाने का एक प्रोग्राम बनाया था जो दो साल में बनकर तैयार हो जाना था परन्तु अभी तक श्रीमती शीला दीक्षित जी उसका शिलान्यास कर रही हैं।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की जनता पानी और बिजली के लिए त्राहि-त्राहि कर रही है। दूसरी तरफ दिल्ली में कांग्रेस सरकार शराब पिलाने के लिए शराब को बढ़ावा दे रही है। आप टेलीफोन करेंगे तो आपको शराब मिल जायेगी परन्तु पानी नहीं मिलेगा। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि शराब को बढ़ावा देने वाली कांग्रेस सरकार को दिल्ली में शासन करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। आज दिल्ली के अंदर त्राहि-त्राहि मची हुई है। हम सब सांसद यहां बिजली से कितने परेशान हैं। कई-कई घंटे तक लाइट जाती है। पूरा प्रशासन ठप्प पड़ा है। कोई अधिकारी सुनने वाला नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि दिल्ली भारत की राजधानी है। यहां पर बिजली मंत्री बैठे हैं। वे बिजली की समस्या के बारे में कुछ रोशनी डालें कि बिजली का सुधार कैसे किया जायेगा।

SHRI G.M. BANATWALLA (PONNANI): Sir, we should also be allowed to speak. ...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Shri Banatwalla, I am going to permit you.

...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Friends, I want to give an opportunity to maximum number of Members to speak on the issues they have raised. But you must all cooperate; otherwise it may not be possible. Please listen to me. I have received 41 notices. We can at least take up 15 notices today, provided you cooperate. You are all aware of the important issue of floods and storm. How can I allow those issues to be raised during 'Zero Hour' on which we are going to have a discussion? I cannot allow them to be raised because we are going to have a discussion on them as early as possible. So, those Members who want to raise such matters during 'Zero Hour' can speak during the discussion.

Also, I have decided, right from today, that the issues which can be raised under Rule 377, should be raised under that Rule. This issue of Shri Tiwari was permitted because I did not know what exactly he wanted to say. But let me honestly tell you that if you want to raise the issues which are of national or international importance, they can be raised during 'Zero Hour'. Anyway, Shri Banatwalla had given me the notice yesterday, so I am allowing him to speak. So, please co-operate with the Chair. It is in your own interest. Otherwise, out of 41 issues, even five will not be taken up. If you want your issues to be raised, please co-operate with the Chair. That is my earnest request to you all.

...*(Interruptions)*

श्री राम नगीना मिश्र (पडरौना) : माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में लाखों गन्ना किसानों की समस्या है। उनका चीनी मिलों पर अर्बों रुपया बाकी है।*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : आप सब खड़े रहेंगे क्या?

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका इश्यू जब आयेगा, तब आप बोलिएगा। बनावतवाला जी ने कल इस इश्यू का नोटिस दिया था। I have rightly permitted him. Please sit down. आप आवाज उठाएंगे तो किसी को परमीशन नहीं मिलेगी।